सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादक: रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, शनिवार, 27 सितम्बर, 2025
वर्ष: 02, अंक: 254, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

इनसाइड कानपुर: मां की अस्मत रौंदने वाले बेटे को उम्रकैद... » Pg02

» Pg12

बीएसएनएल सेवाओं को प्रदेश के ग्राम पंचायतों के साथ जोड़ा

दगों पर भड़के योगी, कहा- आप सिस्टम ब्लॉक करना चाहते हैं?

बरेली मौलाना भूल गया शासन किसका है, अब सौ बार सोचेंगे

बोले- इन्हीं के लिए हम लोगों ने बुलडोजर बनाया, ऐसा सबक सिखाएंगे आने वाली पीढ़ी दंगा करना भूल जाएंगी

» इस समय हमारा रेवेन्यू सरप्लस 70,000 करोड़ है।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। राजधानी स्थित होटल ताज में शनिवार को विकसित उत्तर प्रदेश विजन 2047 के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए 8 ईयर्स ऑफ यूपी गवर्नमेंट पुस्तक का विमोचन किया और प्रदेश की प्रगति की कहानी को दमदारी से प्रस्तुत किया। इस मौके पर यूपी के विकास और आने वाले समय में प्रदेश के विकास के लक्ष्य पर चर्चा हुई। अपने संबोधन में सीएम योगी ने प्रदेश में कानून व्यवस्था से लेकर एक्सप्रेसवे, मेट्रो और अन्य विकास कार्यों पर अपनी बात रखी। उन्होंने अशांति फैलाने वालों को सख्त लहजे में चेतावनी दी। उन्होंने पिछले साढ़े आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा की चर्चा करते हुए परिवारवाद, जातिवाद और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को उजागर किया।

दरअसल, यूपी के बरेली में आई लव मोहम्मद विवाद के चलते बीते शुक्रवार को शहर भर में जमकर हिंसा हुई। पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए मौलाना तौकीर रजा को हिरासत में ले लिया है। इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंसा

करने वालों को सख्त चेतावनी दी है। सीएम योगी ने कहा कि कल बरेली में एक मौलाना भूल गया कि यूपी की सत्ता में कौन है। दंगाइयों को हमने सबक सिखाया। दंगा करने से पहले अब ये 100 बार सोचेंगे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हिंसा के बाद अब ना कर्फ्यू लगेगा और ना सिस्टम रुकेगा। मौलाना को लगा कि वो जब चाहे व्यवस्था को रोक सकता है लेकिन हमने साफ कर दिया है कि न तो नाकाबंदी होगी और न कर्फ्यू लगेगा।

उन्होंने कहा, जब भी पर्व आते थे तब उत्पात शुरू हो जाता था। अब उत्पातियों और उपद्रवियों को पता लगेगा। उन्हें उनकी सात पीढ़ियां याद आएंगी क्योंकि कभी-कभी लोगों की बुरी आदतें नहीं जाती हैं तो उसके लिए उनकी डेंटिंग पेंटिंग करवानी पड़ती है। यही डेंटिंग- पेंटिंग कल आपने बरेली के अंदर देखा होगा।

2017 से पहले यूपी में यही चलन था पहले सीएम आवास में दंगाई सम्मानित होते थे। 2017 के बाद से हमने यूपी में कभी कर्फ्यू तक नहीं लगने दिया।

तौकीर रजा ने विरोध-प्रदर्शन का किया था ऐलान

सीएम ने कहा कि हमने जो सबक सिखाया है, उससे आने वाली पीढ़ियां दंगे करने से पहले दो बार सोचेंगी। 2017 से पहले यूपी में यही चलना था। इसके बाद हमने कभी कर्फ्यू नहीं लगने दिया। यूपी के विकास की कहानी यहीं से शुरू होती है।

पहले सीएम आवास पर सम्मानित होते थे दंगाई

योगी ने कहा कि जिस भाषा में समझेगा, उसे वैसे ही समझाएंगे। किसी भी दंगाई को बख्शा नहीं जाएगा। आप सिस्टम को ब्लॉक नहीं कर सकते।

मजबूत इमारत बनाने का समय

सीएम योगी ने कहा कि यूपी अब भारत का ग्रोथ इंजन बन चुका है। देश में जितना मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट बन रहा है, उसमें 55 फीसदी हिस्सा यूपी का है। उन्होंने कहा कि कृषि में हमारी क्षमता तीन गुना और बढ़ सकती है। हमने आधारशिला तैयार कर ली है, अब मजबूत इमारत बनाने का समय है। योगी ने जोर देकर कहा कि 2047 तक यूपी 6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा और यह नागरिकों की आशाओं और अकांक्षाओं को पूरा करने का वर्ष होगा।

गौरतलब है कि मौलाना तौकीर रजा ने आई लव मोहम्मद विवाद को लेकर विरोध-प्रदर्शन का ऐलान किया था। पुलिस और प्रशासन ने इसे मंजूरी नहीं तो लोग भड़क गए। जबरदस्ती सड़क पर उतरकर नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो पत्थर फेंकने लगे। सड़क पर खड़े वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। लोग जान बचाकर भागे। इससे जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं।

इधर सीएम योगी ने दहाड़े, उधर पुलिस ने तौकीर रजा को दबोचा, 2000 पर एफआईआर

बरेली हिंसा के बाद पुलिस ने शनिवार दोपहर मौलाना तौकीर रजा को अरेस्ट कर लिया है। पुलिस ने इत्तेहाद- ए- मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा समेत आठ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आज कुछ घंटे पहले ही लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि मौलाना भूल गया कि यूपी में किसकी सरकार है। ऐसा सबक सिखाएंगे कि हिंसा करने से पहले 100 बार सोचेंगे। सीएम के निर्देश के बाद पुलिस ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार शाम से लेकर अब तक 40 लोग पकड़े जा चुके हैं। करीब 2 हजार लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है।

चाकू के बल पर मां की अस्मत रौंदने वाले बेटे को उम्रकैद

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। इंसानियत को शर्मसार करने वाले दिल दहला देने वाले मामले में फास्टट्रैक कोर्ट-41 के न्यायाधीश पीयूष सिद्धार्थ ने सख्त फैसला सुनाते हुए बेटे को अपनी ही मां से दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद और 35 हजार रुपये जुर्माने की सजा दी है। कोर्ट ने आदेश में कहा कि शराब के नशे में भी कोई पुत्र ऐसा घृणित कृत्य करने की कल्पना नहीं कर सकता। अभियुक्त ने सामाजिक मर्यादा को तार-तार किया है, इसलिए वह किसी भी सहानुभूति का अधिकारी नहीं है। जुर्माने की आधी धनराशि पीड़िता को दी जाएगी और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से पीड़िता के लिए क्षतिपूर्ति की संस्तुति भी की गई है।

» छह माह में मुकदमे का विचारण पूरा, कोर्ट ने सुनाई ऐतिहासिक सजा

» 35 हजार जुर्माना, आधी रकम पीड़िता को मिलेगी क्षतिपूर्ति के रूप में

कैसे हुआ घिनौना अपराध

यह घटना 9 मार्च 2025 की है। महिला घर पर अकेली थी, तभी उसका बेटा चाकू लेकर पहुंचा और दरवाजे बंद कर पहले मारपीट की, फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। वह नशे में धुत था। पीड़िता किसी तरह कमरे से बाहर निकली और रोने लगी।

इसी दौरान उसका बीएससी पढ़ने वाला पौत्र घर पहुंचा, जिसे उसने पूरी आपबीती बताई। पौत्र ने तुरंत यूपी-112 को कॉल किया।

पुलिस मौके पर पहुंची, दरवाजा तोड़ा और आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया।18 मार्च को पुलिस ने चार्टशीट कोर्ट में दाखिल कर दी। 19 जून को आरोप तय हुए और पीड़िता समेत चार गवाह पेश किए गए। अभियोजन पक्ष ने ठोस साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपी की सजा सुनिश्चित कराई।कोर्ट ने फैसले में कहा मां और पुत्र का रिश्ता केवल जन्म के साथ नहीं, बल्कि जन्म से नौ माह पूर्व का भी पवित्र संबंध है।

आरोपी ने इस पवित्र रिश्ते को कलंकित किया है। यह ऐसा अपराध है जिसमें किसी प्रकार की सहानुभूति संभव नहीं।सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता जितेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस प्रकार के अपराध समाज के लिए नजीर बनने चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी पुत्र या परिवार का सदस्य ऐसे अमानवीय अपराध की हिम्मत न कर सके।

सीएमओ समेत चार से स्पष्टीकरण तलब

» स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा में डीएम ने दिखाई सख्ती

» विक्टोरिया अस्पताल संचालन में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में शुक्रवार देर शाम सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में कई खामियाँ उजागर होने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई और सीएमओ समेत कई अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब किया।

डीएम ने विक्टोरिया अस्पताल में अपेक्षित सुधारात्मक कदम न उठाए जाने पर सवाल खड़े किए और संबंधित अधिकारी का उत्तरदायित्व तय करने के निर्देश दिए।

सीएमओ पिछली डीएचएस बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालन आख्या व एजेंडे से जुड़े सवालों के उत्तर नहीं दे पाए। इस पर डीएम ने असंतोष व्यक्त करते हुए उन्हें आगामी शुक्रवार तक मुख्य विकास अधिकारी के माध्यम से स्पष्टीकरण देने के आदेश दिए।घाटमपुर सीएचसी में 1178 बच्चों को पेंटा-1 डोज न दिए जाने पर प्रभारी डॉ. पवन कुमार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित कर चेतावनी दी गई। वहीं गीता नगर, गुजैनी और सर्वोदय नगर डी-टाइप सेंटरों पर बच्चों को टीका लगाए बिना पोर्टल पर अपलोडिंग पाए जाने पर तीनों प्रभारी एमओआईसी को नोटिस जारी करने के आदेश दिए गए।

जनपद की रैंक पर असर

शिवराजपुर, पतरा, चौबेपुर, घाटमपुर और ककवन में टीकाकरण कार्य में लापरवाही सामने आई। डीएम ने सभी संबंधित एमओआईसी से जवाब माँगा और सीएमओ को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस माह कोई प्रशिक्षण न कराने पर डीपीएम अश्वनी, सोनम सिंह, रूबी नाज़ और कुसुम से भी स्पष्टीकरण माँगा गया। मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई गई।

बिधनू व घाटमपुर पीएचसी में अनुमन्य फॉर्मेट पर ओपीडी रजिस्टर न बनने पर डीएम ने फटकार लगाई। साथ ही दोनों सीएचसी में रोगी कल्याण समिति के खर्च की जांच के आदेश दिए।

गर्भवती महिलाओं की जांच सुविधाओं पर जोर

डीएम ने सीएमओ को निर्देशित किया कि सभी वीएचएसएनडी केंद्रों पर एग्ज़ामिनेशन टेबल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि गर्भवती महिलाओं की पेट जांच व्यवस्थित ढंग से हो सके।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी, समस्त एसीएमओ एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बाजारों में स्वदेशी अपनाओ की गूंज, विदेशी उत्पादों का विरोध

» व्यापार मंडल ने चलाया जागरूकता अभियान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर उद्योग व्यापार मंडल ने मनीराम बगिया और शिवाला बाजार में स्वदेशी उत्पादों की खरीद-बिक्री पर जोर देने के लिए एक जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान व्यापारियों ने विदेशी कंपनियों के उत्पाद न बेचने और ऑनलाइन कंपनियों का विरोध करने की अपील की।

कानपुर में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के आह्वान पर कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को मनीराम बगिया और शिवाला बाजार में जन जागरूकता अभियान चलाया। इसमें स्वदेशी उत्पादों की खरीद-बिक्री पर जोर दिया गया। महामंत्री कृपाशंकर त्रिवेदी ने कहा कि यदि दुकानदार देश में ही बना हुआ सामान बेचेंगे और उपयोग करेंगे, तो इसका लाभ देश के ही कारोबारियों को होगा।

विदेशी कंपनियों के उत्पाद बिक्री न करने की अपील की गई। दुकानों पर स्वदेशी अपनाओ के स्टीकर लगाए गए। ऑनलाइन कंपनियों का विरोध जताया गया। इस मौके पर रामेश्वर गुप्ता, राकेश सिंह, महेंद्र गुप्ता, राजेश गुप्ता, विराट गुप्ता, शरद अग्रवाल, प्रवीण आनंद, संजय बाजपेई आदि मौजूद रहे।

महिला सम्मान-स्वावलंबन की नई तस्वीर गढ़ रहा है नगर निगम

» मिशन शक्ति अभियान के तहत शहर में कई शेल्टर होम से पिंक टॉयलेट तक, महिलाओं को मिल रही सौगातें

» मेयर प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त सुधीर कुमार के प्रयासों से योजनाओं का सफल कार्यान्वयन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मिशन शक्ति योजना के तहत कानपुर नगर निगम ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को लेकर कई महत्वपूर्ण पहलें की हैं। शहर में अब महिलाएँ न केवल सुरक्षित वातावरण पा रही हैं, बल्कि रोजगार और उद्यमिता के अवसरों से भी जुड़ रही हैं।

नगर निगम की खास पहलें

शेल्टर होम्स - बेसहारा और जरूरतमंद महिलाओं को सुरक्षित व सम्मानजनक आवास।

पिंक टॉयलेट्स-बाजारों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में सेनेटरी नैपकिन मशीन और बेबी फीडिंग स्पेस जैसी आधुनिक सुविधाओं से लैस टॉयलेट।

अम्मा कैंटीन व शक्ति रसोई -महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम।

रीसाइक्लिंग और गौशाला रोजगार- MRF यूनिट्स और गौशालाओं से जुड़कर महिलाएँ आय के नए साधन बना रही हैं।

स्वयं सहायता समूह (SHGs)- प्लांटेशन, हस्तशिल्प और सूक्ष्म उद्यमों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी।

महिला हेल्प डेस्क- नगर निगम कार्यालयों में महिलाओं की समस्याओं का त्वरित समाधान।

स्मार्ट सिटी संदेश -पब्लिक एड्रेस सिस्टम से महिलाओं को जागरूक करने और उनके उत्पादों के प्रचार की व्यवस्था।

उद्यमिता संवर्धन- मेलों, प्रदर्शनियों और विपणन सहायता से महिला उत्पादों को बाजार से जोड़ने की योजना।

नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने कहा कि मेयर प्रमिला पांडेय के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण लगातार कार्य हो रहे हैं। आने वाले समय में कई और योजनाओं का और विस्तार होगा, ताकि महिलाएँ समाज के हर क्षेत्र में अपनी मजबूत भूमिका निभा सकें।

कुल मिलाकर, कानपुर नगर निगम का यह प्रयास मिशन शक्ति को नई ऊँचाइयाँ दे रहा है

और शहर की महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

इंग्लैंड बेली ब्रो के मेयर कल कानपुर आएंगे

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। इंग्लैंड के बेली ब्रो (Belly Bro) नगर के मेयर राजकुमार मिश्रा कल 28 अक्टूबर को शताब्दी एक्सप्रेस से कानपुर पहुंचेंगे। उनके आगमन पर कानपुर की मेयर प्रमिला पांडे और अधिवक्ता समुदाय उनका गर्मजोशी से स्वागत करेगा।

जानकारी के अनुसार, मेयर मिश्रा कुछ समय के लिए कानपुर में रुकेंगे और इस दौरान स्टेशन पर पत्रकारों से वार्ता भी करेंगे। इसके बाद वह लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे।

उनके आगमन को लेकर कानपुर नगर निगम और अधिवक्ता संगठनों में उत्साह देखा जा रहा है।

न्याय जनता की भाषा में ही जीवंत होगा अधिवक्ता जितेंद्र प्रताप सिंह

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जिला न्यायालय माती कानपुर देहात में हिन्दी पखवारा के अवसर पर सिविल बार एसोसिएशन द्वारा गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ताओं ने न्याय की भाषा और जनता की भाषा के बीच एकरूपता पर जोर देते हुए कहा कि हिन्दी को न्याय की आत्मा बनाना समय की मांग है।

सिविल बार एसोसिएशन अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि कानून और न्याय तभी जीवंत होंगे, जब वे आमजन की समझ की भाषा में होंगे। न्याय केवल किताबों के पन्नों में नहीं, बल्कि जनता के विश्वास में बसता है, और यह विश्वास तभी गहरा होगा जब न्याय उसकी अपनी भाषा में दिया जाए।जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव ने कहा कि संविधान ने हिन्दी को राजभाषा का गौरव दिया है। सच्चा गौरव तभी है जब यह भाषा न्यायालय की कार्यवाही और अधिवक्ताओं की दलीलों में जीवित रहे। उन्होंने अधिवक्ताओं से आह्वान किया कि वे जनता की भाषा में न्याय को सुलभ बनाएँ।

गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे पूर्व अध्यक्ष सम्पत लाल यादव ने कहा कि भाषा केवल अभिव्यक्ति का साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान की पहचान है। जैसे संस्कृति और सभ्यता के बिना राष्ट्र अधूरा है, वैसे ही मातृभाषा के बिना न्याय अधूरा है। उन्होंने अधिवक्ताओं से संकल्प लेने का आह्वान किया कि वे गर्व से हिन्दी को न्याय की भाषा बनाएँ।अधिवक्ताओं ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि हिन्दी दिवस को मात्र औपचारिकता न मानकर न्याय और जनता के बीच सेतु बनाने का माध्यम बनाया जाएगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से योगेन्द्र प्रताप सिंह चौहान, वैभवकान्त मिश्रा, अमित शुक्ला, पल्लवी पाण्डे, मनमोहन सिंह, वरुण द्विवेदी, शिवबीर सिंह भदौरिया, कंचन, सुरजीत और सद्दाम अली उपस्थित रहे।

अरौल में मिशन शक्ति केंद्र का फीता काटकर भव्य शुभारंभ

ज्ञान भारती की छात्रा गौरी बनीं एक दिन की थानाध्यक्ष

कमान संभालते ही पुलिसकर्मियों को दिए दिशा-निर्देश, डीसीपी त्रिपाठी ने महिलाओं को किया जागरूक, मिशन शक्ति अभियान की बताई अहमियत

» रिजवान कुरैशी, स्वराज इण्डिया।

बिल्हौर (कानपुर)। महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए फेस-5 मिशन शक्ति अभियान के तहत शनिवार को अरौल थाने में मिशन शक्ति केंद्र का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर ज्ञान भारती कॉलेज की छात्रा गौरी कटियार को एक दिन के लिए थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

कमान संभालते ही गौरी ने फीता काटकर मिशन शक्ति केंद्र का उद्घाटन किया और पुलिस कर्मियों की बैठक बुलाकर कहा कि क्षेत्र में आने वाली सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया जाए तथा महिला अपराधों पर तुरंत कार्रवाई हो। कार्यक्रम का संचालन थाने की दरोगा प्रीतांजलि ने किया। स्कूली बच्चों ने मिशन शक्ति- नारी शक्ति विषय पर गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिससे कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण बन गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डीसीपी दिनेश त्रिपाठी ने महिलाओं को जागरूक किया और कहा कि मिशन शक्ति अभियान महिलाओं को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस प्रशासन हर महिला को न्याय और सुरक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान एसडीएम संजीव दीक्षित, एसीपी अमरनाथ यादव, इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने छात्रा गौरी के आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता की सराहना की। कार्यक्रम में अरौल प्रधान मुन्ना सिंह, नन्दलाल पाल, एमएलकेडी पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य एनबी सिंह और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, महिलाएं व ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

एंटी राइट गियर में पुलिस का दमदार दिखा फ्लैग मार्च

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। शुक्रवार शाम कस्बे में खाकी का रौब साफ दिखाई दिया। एंटी राइट गियर से लैस पुलिस बल ने मुख्य बाजार, तंग गलियों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में फ्लैग मार्च किया। जवानों की कदम ताल से कस्बा गूंज उठा और लोगों में सुरक्षा का एहसास गहरा गया। मार्च के दौरान पुलिसकर्मी न केवल पैदल गश्त करते नजर आए बल्कि संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी भी ली। इससे कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों को साफ संदेश मिल गया कि खाकी हर वक्त तैयार है।

कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने कहा कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य शांति और व्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस हर समय सतर्क है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

औरंगपुर सांभी में लाखों की चोरी, परिवार के सदस्यों पर गहराया शक

घटना के वक्त घर में थी छोटी बेटी, पुलिस कर रही हर एंगल से जांच

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के औरंगपुर सांभी गांव में गुरुवार की शाम उस समय सनसनी फैल गई, जब एक परिवार अपने घर लौटकर पहुंचा तो अलमारी टूटी पड़ी थी और लाखों के जेवर व नकदी गायब मिले। घटना ने ग्रामीणों को हैरान कर दिया।

गांव की रहने वाली रामरानी पत्नी महादेव ने बताया कि वह अपनी बेटी के साथ खेत पर गई थीं और पति भैंस चराने बाहर निकले थे। घर पर सिर्फ नाबालिग बेटी मौजूद थी। करीब शाम 5:20 बजे जब वे लौटकर आईं तो मुख्य दरवाजा खुला मिला और कमरे का बक्सा टूटा पाया गया। अलमारी से बेटे शिवम की शादी और दिल्ली में बसीं दोनों बेटियों के लिए रखा गया करीब 22 लाख रुपये का सोना-चांदी और 50 हजार रुपये नकद गायब थे।

रामरानी का कहना है कि घटना को अंजाम देने वालों ने ताला तक नहीं तोड़ा।

ऐसे में चोरी को लेकर शक घर के भीतर तक जा पहुंचा है। मामले की सूचना पुलिस तक एक दिन बाद शुक्रवार शाम दी गई।

पुलिस जांच में यह बात सामने आई कि घटना के वक्त घर की जिम्मेदारी छोटी बेटी पर ही थी। दरवाजा सलामत रहने और महज आधे घंटे में जेवर-नकदी गायब होने से संदेह और गहराया। ग्रामीणों ने बताया कि चोरी के बाद परिवार ने पहले अपने स्तर पर पड़ताल की और बाद में विवाहित बेटियों के दबाव में पुलिस में तहरीर दी। दिल्ली से गांव पहुंची विवाहित बेटी आकांक्षा ने खुलकर आरोप लगाया कि छोटी बहन की संलिप्तता के बिना ऐसी वारदात संभव नहीं। कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने बताया कि शिकायत दर्ज कर ली गई है। घटना संदिग्ध प्रतीत हो रही है, इसलिए हर एंगल से जांच की जा रही है। जल्द ही पूरी सच्चाई सामने लाई जाएगी।

आठ शिकायतों का निस्तारण, बाकी मामलों की जांच जारी

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर थाने में आयोजित थाना समाधान दिवस के दौरान कुल 16 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से आठ का तुरंत निस्तारण किया गया। शेष मामलों की जांच और कार्रवाई के लिए एसीपी अमरनाथ ने पुलिस टीम को जाँच कर कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान एसीपी अमरनाथ और थाना अध्यक्ष अशोक कुमार सरोज ने नागरिकों की शिकायतें सुनीं और आवश्यक कार्रवाई के आदेश दिए। पुलिस प्रशासन ने कहा कि लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

सम्पादकीय

मनुष्य जीवन के लिये खतरे की घंटी

तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। यह बात अलग है कि कई निष्कर्षों को लेकर विदेशी बाजार व कारोबारियों के लक्ष्य भी होते हैं। चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। ऐसा ही एक अध्ययन जर्मन ब्रिटिश अकादमिक कंपनी स्प्रिंग नेचर द्वारा एक पर्यावरण विषयक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच-पड़ताल करनी चाहिए। इस दिशा में न केवल केरल बल्कि अन्य राज्यों में भी ऐसे ही अध्ययन होने चाहिए। वैसे तो एक खास वर्ग ही बोतलबंद पानी का उपयोग करता है, लेकिन पानी के अन्य स्रोतों का भी गंभीर अध्ययन किया जाना चाहिये। इसमें सरकारी जल आपूर्ति को भी शामिल करना जरूरी है।हमारे जीवन में जहर घोल रहे माइक्रोप्लास्टिक के हवा व पेड़-पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी कई अध्ययन सामने आए हैं। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। सर्वविदित है कि देश के नीति-नियंताओं की कार्यस्थली दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी है। कमोबेश देश के कई अन्य शहर भी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं।

प्रदूषण के कारण प्लास्टिक कण हमारी जीवन प्रत्याशा को घटा रहे हैं और कैंसर जैसे कई घातक रोग साथ में दे रहे हैं। विडंबना देखिये न तो सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत हैं और न ही अपने स्वास्थ्य के प्रति जनता जागरूक है। वहीं मुफ्त की रेवड़ियों की आस रखने वाले मतदाता इस गंभीर संकट को चुनावी मुद्दा बनाने की बात कभी नहीं करते। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है।

ट्रम्प के टैरिफ की चुनौती से मुकाबले की तैयारी

ओनिंद्यो चक्रवर्ती

ट्रम्प की 'जवाबी' टैरिफ नीति से भारत को भी नुकसान होने की आशंका है। दरअसल भारत और अमेरिका के आयात शुल्कों के बीच बड़ा अंतर है। व्यापार की यह स्थिति भारत को रास आती है जो ट्रंप के निशाने पर है। भारत के टैरिफ जितनी जवाबी दरें करने का उनका निर्णय या तो भारतीय निर्यात को अप्रतिस्पर्धी बना देगा या फिर हमें मजबूरन अपने टैरिफ अमेरिका के समान करने होंगे।

तकरीबन 2,000 साल पहले, जब रोमन साम्राज्य अपने चरम पर था, भूमध्य सागर से बाहर के बंदरगाहों से आने वाले व्यापारिक जहाजों को अपने साथ लाए जाने वाली प्रत्येक वस्तु पर एकमुश्त कर चुकाना पड़ता था। कुछ शताब्दियों बाद, जब इस इलाके पर रोमनों का राज जाता रहा और यह क्षेत्र यहां-वहां बिखरे देशों और छोटी सल्तनतों में विभक्त हो गया, तो व्यापारियों को एक बंदरगाह से दूसरे राजा के बंदरगाह तक जाने के लिए कई किस्म के शुल्कों का सामना करना पड़ा।

इसलिए, एक परंपरा विकसित हुई, जिसमें व्यापारियों को पहले से ही यह बता दिया जाता था कि प्रत्येक वस्तु पर कितना कर लगाया जाएगा। अरबी भाषा में इसे 'तारीफेः' अर्थात? अधिसूचना कहा जाता था। यही शब्द अन्य भाषाओं में भी आया, स्पेनिश में 'टैरिफा', इतालवी में 'टैरिफा' और आगे चलकर अंग्रेजी में 'टैरिफ' बना। गया।

आज, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बदौलत, यह शब्द पिछले चार दशकों से चली आ रही विश्व व्यवस्था में खलल डालने पर तुला है। कुछ ही दिनों में, ट्रम्प की 'जवाबी' टैरिफ नीति हर देश को प्रभावित करने वाली है। अमेरिका में आयात शुल्क दर अब ठीक उतनी होगी जो माल भेजने वाला देश अमेरिकी वस्तुओं के आयात पर लगाएगा।

हम पर भी इसका असर होगा। साल 2023-24 में अमेरिका को हमारा निर्यात 78 बिलियन डॉलर रहा और इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में यह 60 बिलियन डॉलर को पार कर गया। इनमें से सबसे बड़ा हिस्सा दवाइयों का था- हमारी दवा कंपनियां अमेरिका को महत्वपूर्ण दवाओं के सस्ते संस्करण निर्यात करती हैं और कमाई मोटी है। इनके बाद सबसे बड़ा अंश था टेलीकॉम उत्पादों का, जैसे कि भारत में पुर्जे जोड़कर बनाए आईफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिकल गैजेट एवं मशीनें इत्यादि।

हालांकि, हम अमेरिकी उपभोक्ताओं को बहुत अधिक कारें नहीं बेचते हैं, लेकिन ऑटो पार्ट्स हम

खूब निर्यात करते हैं। अमेरिकी बाजार हमारे सकल ऑटोमोबाइल निर्यात का 27 प्रतिशत हिस्सा है। हम अन्य देशों को भी ऑटो पार्ट्स निर्यात करते हैं, जिनका उपयोग ऑटोमोबाइल तैयार करने में किया जाता है, जिन्हें आगे अमेरिका भेजा जाता है। निर्यात का एक अन्य बड़ा हिस्सा हीरे एवं सोने के गहने हैं। वर्ष 2024 में, हमने अमेरिका को 12 बिलियन डॉलर के रत्न और आभूषण निर्यात किए। हम वहां कपड़ा और परिधान भी भेजते हैं। पिछले साल, हमने अमेरिका को 11 बिलियन डॉलर के रेडीमेड परिधान, यार्न और टेक्सटाइल बेचे। भारत से अमेरिका को कई किस्म के समुद्री खाद्य पदार्थ भी निर्यात किए जाते हैं। हम अमेरिकी उपभोक्ताओं को विभिन्न किस्मों के चावल भी बेचते हैं। वर्ष 2024 में अमेरिकी बाजार में भारत से कुल मिलाकर 6 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के कृषि उत्पाद, समुद्री भोजन, मछली और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ पहुंचे थे। वर्तमान में, अमेरिका को भारत का सकल निर्यात उसके यहां से आने वाले माल से 45 बिलियन डॉलर अधिक है।ट्रंप का मानना है कि इस अंतर का एक बड़ा कारण है कि भारत अमेरिकी वस्तुओं पर बहुत अधिक टैरिफ लगाता है, जिससे भारतीय बाजार में अमेरिकी सामान अधिक महंगा हो जाता है। भारत विदेश से घरेलू अर्थव्यवस्था में आने वाली वस्तुओं पर औसतन 12 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। यह अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से पांच गुना अधिक है। लेकिन बात जब विशिष्ट वस्तुओं की आए तो यह अंतर और भी अधिक गहरा हो जाता है। आयातित कृषि उत्पादों पर भारत औसतन 37.8 प्रतिशत टैरिफ लगाता है जबकि अमेरिका केवल 5.4 प्रतिशत लगा रहा है। अमेरिका में बने ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स पर हमारा टैरिफ उसके द्वारा भारतीय कलपुर्जों पर वहां लगाए जाने वाले शुल्क से 24 प्रतिशत से भी ज्यादा है।

मानवीय क्षति के कारकों की गहरी पड़ताल जरूरी

बड्डाल की त्रासदी

पंकज चतुर्वेदी

रिपोर्ट से पता चला है कि बीमार लोगों के शरीर में बहुत-सी भारी धातु पाई गई है। यही नहीं इन धातुओं की मात्रा सामान्य से कई गुना ज्यादा मिली। विशेषज्ञों के अनुसार ये भारी धातुएं जहर जैसा काम करती हैं।दो महीने पहले कश्मीर के राजौरी जिले के गांव बड्डाल में हुई 17 लोगों की संदिग्ध मौत की गुत्थी अब और उलझती जा रही है। सीएसआईआर के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च प्रयोगशाला ने गहन जांच के बाद यह स्पष्ट किया कि मौत का कारण ग्रामीणों के शरीर में पाया गया क्लोरफेनेपायर नामक जहरीला रसायन था। इस गांव में 16 लोग ऐसे भी थे जो बीमार हुए, लेकिन डॉक्टर्स ने उन्हें मौत के मुंह से खींच लिया। लोगों का इलाज करने वाले पीजीआई, चंडीगढ़ के डॉक्टर्स का कहना था कि उन्होंने एंटीडोट के रूप में एट्रोपिन दवा का प्रयोग किया, और इसने 100 प्रतिशत परिणाम दिए।

हालांकि, एट्रोपिन का इस्तेमाल ऑर्गेनोफॉस्फोरस विषाक्तता के लिए एक प्रभावी उपचार है, लेकिन आश्चर्यजनक यह है कि किसी भी बीमार या मृत व्यक्ति के शरीर में ऑर्गेनोफॉस्फोरस विषाक्तता के लक्षण नहीं दिखे। अब, जिस क्लोरफेनेपायर को मौत का कारण बताया जा रहा है, उसका यहां दूर-दूर तक कोई उपयोग नहीं होता।समझना होगा कि क्लोरफेनेपायर एक व्यापक स्पेक्ट्रम कीटनाशक है जिसका उपयोग दीमक और फसलों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। मलेरिया के संभावित उपचार के रूप में भी इसको लेकर प्रयोग चल रहे हैं। क्लोरफेनेपायर

सूक्ष्मजीवी रूप से उत्पादित यौगिकों के एक वर्ग से प्राप्त होता है, जिसे हैलोजेनेटेड पाइरोल्स के नाम से जाना जाता है। क्लोरफेनेपायर एक सहयोगी - कीटनाशक है, जिसका अर्थ है कि यह एक अन्य रसायन में सक्रिय होकर कीटों को मारता है। क्लोरफेनेपायर का सक्रिय मेटाबोलाइट ट्रालोपायरिल है, जो कीटों के माइटोकॉन्ड्रिया में एटीपी के उत्पादन को बाधित करता है। इससे कीट की कोशिका मर जाती है और अंततः जीव मृत्यु हो जाती है। डब्ल्यूएचओ द्वारा इसकी पहचान एक मध्यम विषाक्त कीटनाशक के रूप में की गई है, लेकिन विषाक्त रोगियों की मृत्यु दर बहुत अधिक है।क्लोरफेनेपायर इंसान के साथ-साथ पक्षियों, मछलियों और जलीय अकशेरुकी जीवों के लिए अत्यधिक विषैला है। यदि इंसान पर इसका असर हो तो पहले पसीने आते हैं फिर तेज बुखार, रैबडोमायोलिसिस तथा तंत्रिका तंत्र के लक्षणों का बिगड़ना शुरू हो जाता है। वैसे बड्डाल के मरीजों में यह सभी लक्षण देखे गए थे। क्लोरफेनेपायर का उपयोग व्यावसायिक रूप से दीमक नियंत्रण और फसल सुरक्षा के लिए किया जाता है। मलेरिया वेक्टर नियंत्रण में इसके संभावित उपयोग का भी मूल्यांकन किया गया है। प्रयोगशाला अध्ययनों में क्लोरफेनेपायर को बहु-कीटनाशक-प्रतिरोधी मच्छरों के विरुद्ध प्रभावी पाया गया।हालांकि, जब बड्डाल में बीमारी का हो-हल्ला हुआ तो एम्स दिल्ली सहित कई शीर्ष संस्थाओं की टीम वहां पहुंची। केन्द्रीय मंत्री ने जनवरी के दूसरे हफ्ते में ही कह दिया था कि मरने वालों के शरीर में कैडमियम की भारी मात्रा पाई गई और मौत का कारण यही है। वहीं 24 जनवरी को पीजीआई चंडीगढ़ की रिपोर्ट से पता चला है कि बीमार लोगों के शरीर में बहुत-सी भारी धातु पाई गई है। यही नहीं इन धातुओं की मात्रा सामान्य से कई गुना ज्यादा मिली। विशेषज्ञों के अनुसार ये भारी धातुएं जहर जैसा काम करती हैं। उसके बाद मरीजों के नमूनों को केंद्रीय एफएसएल, डीआरडीओ ग्वालियर व अन्य प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं को भी भेजा गया था।इस बीमारी के बाद जिले की सभी कीटनाशक और कृषि सामग्री की बिक्री करने वाली दुकानें सील की गईं, वहां से नमूने उठाए गए लेकिन कहीं से भी न भारी धातु और न ही क्लोरफेनेपायर के कोई अवशेष मिले। यही नहीं, इस रसायन को आनलाइन स्टोर से खरीदने के भी कोई प्रमाण नहीं मिले।

ट्रेन की बोगियों पर वेंडरों का कब्जा

यात्री शौचालय में,बोले- विरोध पर करते हैं गाली गलौज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-7 पर आनंद विहार से जोगबनी जाने वाली 12488 सीमांचल एक्सप्रेस पहुंची। पूरी ट्रेन खचाखच भरी थी। इंजन के पीछे के जनरल कोच में पैर रखने भी जगह नहीं थी। चौथे कोच की आधी बोगी पर वेंडरों ने कब्जा जमा रखा था। वहीं, यात्री गैलरी और शौचालय में यात्रा करने को मजबूर रहे। संवाददाता की टीम को देखकर एक वेंडर ने कोच का गेट ही बंद कर लिया।

जबरन खुलवाकर अंदर गए तो देखा कि सीटों पर वेंडिंग ठेकेदार का खानपान का सामान रखा था। कोच की गैलरी में एक प्लास्टिक का नीला ड्रम रखा था जिसमें बर्फ डालकर पानी और पानी पेय की बोतलें भरी थी। करीब 40 यात्रियों की सीटों पर वेंडिंग ठेकेदार ने कब्जा कर रखा था।

जब संवाददाता ने ठेकेदार से इसका कारण पूछा, तो दबंगई से कहने लगा कि मेरे पास इसका लाइसेंस है, जहां चाहे कोच में वहां सामान रखकर बेच सकते हैं।

कोच में मौजूद आरपीएफ स्कॉट के सिपाही भी उसी का पक्ष लेकर फोटो खींचने से मना करने लगे।

विरोध किया, तो चुपचाप कोच से नीचे उतरकर एक कोने में खड़े हो गए। यात्रियों ने बताया कि जब वेंडरों से सामान हटाने के लिए कहते हैं, तो वह गाली-गलौज कर धमकाने लगते हैं। आरपीएफ के जवान भी उन्हीं का पक्ष लेते और नीचे उतारने की धमकी तक देते हैं।

विक्रमशिला, अमृत भारत एक्सप्रेस, श्रमजीवी एक्सप्रेस, पूर्वा, मधुपुर हमसफर जैसी ट्रेनों में यही स्थिति रहती है।

राजधानी जैसी ट्रेनों में भी वेंडर एसी कोच के भीतर खाली सीटों पर खानपान का सामन रखते हैं। न तो इन्हें आरपीएफ रोकती है और ना ही रेलवे के अधिकारी।

आनंद विहार से सीमांचल एक्सप्रेस से घर जा रहे थे। जनरल कोच में सीटों पर सामान रखा होने के कारण मजबूरी में शौचालय में बैठकर सफर करना पड़ रहा है।

दिल्ली में नौकरी करते हैं। अपने घर बिहार जा रहे हैं।

जनरल कोच में जब सीट पर सामान देखा तो विरोध किया। इस पर वेंडर गाली-गलौज करने लगा। काफी देर खड़े रहे, फिर शौचालय में जाकर बैठना पड़ा।

इस तरह ट्रेनों के कोच पर कब्जा कर खानपान का सामान रखना और यात्रियों को सीट उपलब्ध न कराना पूरी तरह से गलत है।

अगर ऐसी दिक्कत हो तो शिकायत करें, कार्रवाई की जाएगी। जल्द ही इसे लेकर अभियान चलाया जाएगा।

शराब दुकान से हुई चोरी का पुलिस ने किया खुलासा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। चमनगंज थाना पुलिस ने शराब की दुकान से 1.40 लाख की चोरी का खुलासा करते हुए दो चोरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से छह एटीएम कार्ड, दो अन्य बैंक कार्ड और 2500 रुपये नकद बरामद हुए हैं।पुलिस के अनुसार 22 सितम्बर की रात चमनगंज क्षेत्र स्थित रिंकू कंपोजिट शराब की दुकान से अज्ञात चोरों ने करीब 1.40 लाख रुपये की चोरी की थी। घटना के बाद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान केशव यादव (निवासी सिवान, बिहार) और नन्नू (निवासी मोती नगर, कानपुर) के रूप में हुई है। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। आरोपियों से पूछताछ जारी है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

जेल में बंद अखिलेश दुबे की रुटीन जांच, ईसीजी-पीएफटी और एक्सरे रिपोर्ट सामान्य

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। दुष्कर्म की झूठी रिपोर्ट और रंगदारी मांगने के आरोप में जेल में बंद अखिलेश दुबे को शनिवार को रूटीन जांच के लिए कॉर्डियोलॉजी और मुरारीलाल चेस्ट हॉस्पिटल ले जाया गया। उनकी ईसीजी, पीएफटी और एक्सरे की रिपोर्ट सामान्य निकली है।

कानपुर में भाजपा नेता रवि सतीजा के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत झूठे मामले में रिपोर्ट दर्ज कराने और रंगदारी मांगने के मामले में जेल में बंद अखिलेश दुबे को शनिवार को रुटीन जांच के लिए कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट और मुरारीलाल चेस्ट हॉस्पिटल ले जाया गया,

जहां उसकी ईसीजी जांच और पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट हुआ। डॉक्टरों ने सामान्य हालात होने के साथ कुछ दवाएं भी लिखी हैं।

अखिलेश दुबे को शनिवार की दोपहर करीब एक बजे कड़ी सुरक्षा के बीच कार्डियोलॉजी की इमरजेंसी लाया गया। यहां उसकी ब्लड प्रेशर नापा गया। डॉक्टरों ने ईसीजी कराया, जिसकी रिपोर्ट भी सामान्य निकली। यहां के बाद अखिलेश दुबे को मुरारी लाल चेस्ट अस्पताल ले गए। फेफड़ा रोग विशेषज्ञ डॉ. अवधेश कुमार ने उनकी जांच कराई।

दोनों ही रिपोर्ट को सामान्य बताया

खांसी और गले में दिक्कत होने की जानकारी की।

एक्सरे हुआ और पीएफटी कराया गया। डॉ. अवधेश कुमार ने दोनों ही रिपोर्ट को सामान्य बताया। जेल अधीक्षक बीडी पांडेय ने बताया कि अखिलेश दुबे को सामान्य जांच के लिए कार्डियोलॉय और मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल ले जाया गया था। डॉक्टरों ने किसी तरह की दिक्कत नहीं बताई है।

उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

कार की टक्कर से चार श्रमिकों की मौत, परिजनों का हंगामा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे पर गंगा एक्सप्रेसवे इंटरचेंज के निर्माण स्थल के पास एक कार ने श्रमिकों को टक्कर मार दी। हादसे में चार श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई।

उन्नाव जिले में लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक हादसा हुआ है। शादीपुर गांव के पास, जहां गंगा एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए इंटरचेंज बन रहा है।

वहां कार की टक्कर से चार श्रमिकों की मौत हो गई। घटना के बाद मृतकों के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और हंगामा कर रहे हैं। मौके पर तनाव की स्थिति बनी हुई है।

एक्सप्रेसवे हादसे में ये हैं मृत श्रमिक

हादसे में मरने वाले चार श्रमिक बांगरमऊ थाना क्षेत्र के रहने वाले थे, जिनकी पहचान मुनेश (43, पुत्र राधेलाल निवासी राजाखेड़ा, रामकिशोर (41) निवासी झब्बाखेड़ा, लवकुश (40) निवासी झब्बाखेड़ा और सरवन (30) निवासी अकबरखेड़ा के रूप में हुई है।

चल रहा है इंटरचेंज का निर्माण कार्य

यह हादसा शादीपुर गांव के पास हुआ है, जहां गंगा एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए इंटरचेंज का निर्माण कार्य चल रहा है। कार की टक्कर से इन श्रमिकों की दर्दनाक मौत हुई है।

दिव्य दिव्यांग सेवा समिति का शुभारंभ दिव्याजनों के लिए नई उम्मीद की किरण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। दिव्याजनों की मदद और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से दिव्य दिव्यांग सेवा समिति का गठन किया गया। शुक्रवार को अकबरपुर माती रोड स्थित जयश्री गेस्ट हाउस में आयोजित भव्य कार्यक्रम में समिति का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीएम कपिल सिंह और समिति के संरक्षक पनकी धाम के महामंडलेश्वर श्री कृष्ण दास जी महाराज ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर समिति की औपचारिक शुरुआत की ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीएम कपिल सिंह ने दिव्य दिव्यांग सेवा समिति की पहल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह संगठन दिव्यांगजनों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि

» डीएम कपिल सिंह और पनकी धाम के महंत कृष्ण दास जी ने किया उद्घाटन

» समिति दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ने का बनेगी सेतु

प्रदेश सरकार पहले से ही दिव्यांग जनों के लिए कई योजनाएं चला रही है, जिससे वे समाज में मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं ।समिति के संरक्षक और महामंडलेश्वर महंत कृष्ण दास जी ने कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को सहारा देना और उन्हें यह अहसास कराना है कि वे समाज

का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्होंने आम जनमानस से अपील की कि– एक कदम दिव्याजनों की ओर बढ़ाइए, समिति से जुड़कर उनकी मदद कीजिए।

इस दौरान कार्यक्रम स्थल जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा।

कार्यक्रम को अकबरपुर चेयरमैन प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह गुड्डन, रनियां चेयरमैन प्रतिनिधि रामकिशोर दिवाकर और उद्यमी हरदीप सिंह राखरा ने भी संबोधित किया ।इस अवसर पर एसीएमओ डॉ. एस. एल. वर्मा, भाजपा नेता अंशु तिवारी, समाजसेवी विष्णु कुमार गुप्ता, बालजी शुक्ला, धर्मेंद्र कुशवाहा, रत्नेश बाजपेई, कंचन मिश्रा, नीतू पांडेय, देवेश सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

नैरोलैक पेंट्स ने सामाजिक जिम्मेदारी पर किया फोकस

» प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अधिकारियों ने की समीक्षा, प्रशंसा पत्रों पर जताई सराहना

» तीन दशक से औद्योगिक व सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही नैरोलैक पेंट्स

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। शुक्रवार को कानपुर देहात के जैनपुर स्थित कंसाई नैरोलैक पेंट्स फैक्ट्री में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड रनिया इकाई द्वारा सीएसआर (कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) एवं सीइआर (कॉरपोरेट एनवायरनमेंट रिस्पॉन्सिबिलिटी) के अंतर्गत बीते पाँच वर्षों में किए गए कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

नैरोलैक पेंट्स, जनपद की अग्रणी औद्योगिक इकाई के रूप में पिछले तीस वर्षों से निरंतर कार्यरत है। संस्था न केवल सभी औद्योगिक नियमों का पालन करती है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने में भी आगे रही है ।इस अवसर पर क्षेत्रीय अधिकारी मनोज चौरसिया, तकनीकी विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष मिश्रा, मनीष त्रिपाठी, आशीष कुमार और अयक बाजपेई ने सीएसआर व सीइआर से जुड़े दस्तावेजों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नैरोलैक को मिले प्रशस्ति पत्रों की प्रशंसा भी की ।नैरोलैक पेंट्स की ओर से वर्क्स मैनेजर गणेश शिंदे, अनुपम गर्ग, कुलदीप बाजपेई और सत्येंद्र सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन ईएचएस हेड ललित शर्मा ने किया और नैरोलैक द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की जानकारी दी।

छात्राओं को मिला कानून का पाठ, चौकी में हुई मिशन शक्ति की क्लास

» साइबर क्राइम से बचाव के गुर सिखाए गए

» हेल्पलाइन नंबर और एफआईआर प्रक्रिया की दी जानकारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर चल रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत शनिवार को अमरौधा ब्लॉक की छात्राओं को कानून और सुरक्षा से जुड़ी अहम जानकारी दी गई।

इस दौरान कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय अमरौधा और प्राथमिक विद्यालय अमरौधा प्रथम की छात्राओं को अमरौधा चौकी का भ्रमण कराया गया ।चौकी प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह ने छात्राओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर, स्ङ्क्र दर्ज कराने की प्रक्रिया और गिरफ्तारी के सामान्य नियमों के बारे में विस्तार से बताया।

इसके साथ ही बढ़ते साइबर क्राइम और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के तरीके भी साझा किए गए।

कार्यक्रम में मिशन शक्ति ब्लॉक नोडल मृदुला वर्मा, प्रधानाध्यापक मुतलक हसन, सहायक अध्यापक दीपिका बग्गा, जितेंद्र यादव, परवेज अहमद और अनुदेशक आसमां समेत कई शिक्षक मौजूद रहे। छात्राओं ने कानून से जुड़ी जानकारी को बड़े उत्साह से सुना और सवाल भी पूछे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 । **Email:** swarajindia2023@gmail.com । **Mob:** 7800009853, । **Website:** www.swarajindianews.com । (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

त्योहारों से पहले पुखरायां में पुलिस का शक्ति प्रदर्शन

फ्लैग मार्च से दिलाया सुरक्षा का भरोसा,अराजक तत्वों को सीओ की कड़ी चेतावनी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया है। शुक्रवार को भोगनीपुर एसडीएम देवेंद्र सिंह और पुलिस क्षेत्राधिकारी संजय सिंह के नेतृत्व में पुखरायां कस्बे में भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया।फ्लैग मार्च के दौरान एसडीएम और सीओ ने आम लोगों से बातचीत करते हुए शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की।

एसडीएम देवेंद्र सिंह ने कहा कि सभी लोग त्योहारों को शांतिपूर्ण माहौल में मनाएं और सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने से बचें। वहीं पुलिस क्षेत्राधिकारी संजय सिंह ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि अराजक तत्वों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

जनता से अपील करते हुए सीओ ने कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति अशांति फैलाने की कोशिश करता है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें ताकि उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके। फ्लैग मार्च के दौरान चौकी प्रभारी पुखरायां शोभित कटियार समेत बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

सफाई अभियान

एनएचएआई पीडी पंकज यादव ने

सड़क पर झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

» सेवा पखवाड़े में स्वच्छता और पौधारोपण अभियान को बनाया गया उत्सव

» अधिकारियों-कर्मचारियों की बड़ी भागीदारी, पर्यावरण संरक्षण पर जोर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर चल रहे सेवा पखवाड़े के तहत शुक्रवार को कानपुर-इटावा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्वच्छ उत्सव का आयोजन किया गया। इस अभियान में बड़ी संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों ने शामिल होकर साफ-सफाई और पौधारोपण किया।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) कानपुर के परियोजना निदेशक पंकज यादव ने स्वयं झाड़ू उठाकर स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य केवल सड़क की सफाई नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जन-भागीदारी को बढ़ावा देना भी है।पंकज यादव ने कहा कि यह अभियान स्वच्छता ही सेवा के संकल्प को मजबूत करने और समाज में सेवा, समर्पण तथा जन-भागीदारी की भावना जगाने का माध्यम है।अभियान में एनएचएआई के शैलेन्द्र सिंह, अर्पित, सोमेश श्रीवास्तव, कानपुर-इटावा-चकेरी प्रोजेक्ट के मुख्य प्रोजेक्ट मैनेजर यू.सी. मिश्रा, प्रबंधक राकेश पाठक, सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर एम.पी. सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर आलोक कुमार सिंह, वी.पी. सक्सेना, अजय सिंह, संदीप पांडेय, राजेश दीवान, सत्येन्द्र, मोहित पांडेय समेत बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

देश भर में 'आई लव मोहम्मद' पर वाद प्रतिविवाद ...!

शहरों में हिंसा और बवाल धार्मिक अभिव्यक्ति या उकसावे का उपकरण? पूरे देश बहस में शुरु

» मुस्लिम विद्वानों का भी मानना है कि पैग़म्बर से सच्चा प्रेम उनके बताए जीवन मूल्यों पर चलने में है, न कि पोस्टर और झंडों से माहौल भड़काने में

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर/बरेली/लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में इन दिनों आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर और बैनर जगह-जगह लगाए जाने से माहौल गरमाता जा रहा है। कानपुर से शुरू हुआ विवाद बरेली में हिंसक रूप ले चुका है, जहां उपद्रवियों ने जमकर लूटपाट और तोड़फोड़ की। स्थिति बिगड़ने के बाद प्रशासन को भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। फिलहाल तनावपूर्ण शांति बनी हुई है।

जानकारों का कहना है कि इस तरह के पोस्टर धार्मिक आस्था के नाम पर राजनीतिक लाभ उठाने का नया हथकंडा हैं। इस्लाम धर्म में जहां पैग़म्बर मोहम्मद साहब की तस्वीर, मूर्ति या प्रतीक बनाने तक की मनाही है, वहीं उनके नाम पर बैनर और नारेबाज़ी करना इस्लामी शिक्षा के विपरीत है। मुस्लिम विद्वानों का भी मानना है कि पैग़म्बर से सच्चा प्रेम उनके बताए जीवन मूल्यों पर चलने में है, न कि पोस्टर और झंडों से माहौल भड़काने में।

बरेली में हुई हिंसा के लिए विवादित मौलाना तौकीर रज़ा को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रशासन ने उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। लेकिन सवाल यह है कि जब इस्लामी शिक्षाओं में ऐसी हरकतों को मान्यता नहीं, तो फिर इसे धार्मिक स्वतंत्रता का नाम क्यों दिया जा रहा है?

विशेषज्ञों का मानना है कि पोस्टरों का उद्देश्य केवल समुदाय विशेष में धार्मिक जोश जगाना नहीं, बल्कि दूसरे वर्गों को उकसाना भी है। कई जगहों पर ये बैनर ऐसे इलाकों में लगाए गए, जहां दूसरे धर्मों की आबादी अधिक है। नतीजतन टकराव की स्थितियां बनीं और छोटे-छोटे विवाद दंगों में बदलते चले गए।कानून व्यवस्था की चुनौती और प्रशासन की शिथिलता ने इन हालात को और गंभीर बना दिया है। दुकानों का समय से पहले बंद होना, बच्चों के मन में डर बैठना और आम नागरिकों का दहशत में जीना - यही इस आग का सबसे खतरनाक असर है।मुस्लिम धर्मगुरुओं ने साफ कहा है कि पैग़म्बर मोहम्मद साहब के नाम का इस्तेमाल राजनीतिक मंसूबों के लिए करना पाप है। समाज के सभी वर्गों को यह समझना होगा कि धार्मिक नारेबाज़ी और पोस्टरबाज़ी का असली मकसद शांति नहीं, बल्कि सियासत है।

विवाद की शुरुआत से हिंसा तक

इस मुहिम की शुरुआत 4 सितंबर को कानपुर में हुई, जब पैगंबर मुहम्मद की जयंती (मिलाद-उन-नबी) की जुलूस के दौरान एक तंबू पर I Love मोहम्मद लिखा बोर्ड लगाया गया। स्थानीय हिंदू समूहों ने इसे नई परंपर बताते हुए विरोध जताया।

पुलिस ने बोर्ड हटाने की कार्रवाई की और उस पर एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें 24 लोगों (9 नामित, 15 अज्ञात) के खिलाफ मामला दर्ज हुआ।

विवाद तेजी से फैला। बरेली में शुक्रवार की नमाज़ के बाद हजारों लोग उमड़े, पत्थरबाज़ी हुई, पुलिस को लाठी चार्ज करना पड़ा और tear-gas का भी उपयोग हुआ। कम से कम 10 पुलिसकर्मी घायल हुए, और 50 से अधिक लोग हिरासत में लिए गए।

मौलाना तौकीर रज़ा ख़ान को बरेली में गिरफ्तार किया गया, उन पर उपद्रव भड़काने का आरोप है।

विवाद की आग विरोधी नारा रूप ले चुकी है – वाराणसी में I Love Mahade1 के पोस्टर लगाए गए, कुछ जगहों पर हिंदू समुदाय ने अपनी धार्मिक शक्ति दिखाने के लिए इसी तरह की मुहिम चलाई।

क्यों बढ़ रहा राजनीतिक और सामाजिक टकराव ?

असदुद्दीन ओवैसी ने यह कहकर विरोध किया कि I Love मोहम्मद जैसे पोस्टर किसी अपराध की श्रेणी में नहीं आते। उन्होंने भारत के संविधान की धार्मिक स्वतंत्रता (rticle 25) का हवाला देते हुए कहा कि आस्था अभिव्यक्ति का हिस्सा है।

विपक्षी नेता चंद्रशेखर आज़ाद ने उत्तर प्रदेश सरकार पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाया और निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

राज्य सरकार ने कड़ी चेतावनी दी है कि दंगों, धार्मिक तनाव या उकसावे में संलिप्तों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उठ रहे संवैधानिक, नैतिक और सामाजिक कई सवाल

1. धार्मिक स्वतंत्रता का दायरा – क्या I Love मोहम्मद पोस्टर धार्मिक प्रेम या भावनात्मक अभिव्यक्ति की एक सामान्य रूप है, या इसे उकसावे के रूप में देखा जाना चाहिए?

2. उकसावे बनाम आस्था – इस्लामी शिक्षाएँ चित्र, मूर्ति या प्रतिमा पूजा को मना करती हैं। तो क्या इस तरह का नारा विरोधाभासी नहीं?

3. राजनीतिक उपयोग – क्या यह आंदोलन वास्तव में धार्मिक प्रेम दिखाने की मुहिम है, या राजनीतिक हित साधने का उपकरण?

4. संघर्ष की शुरुआत और आगे की राह – सोशल मीडिया पर #ILoveMuhammad ट्रेंड हो रहा है, और हिंदू समुदाय ने भी प्रतिक्रियात्मक मुहिमें चलाई हैं।

5. प्रशासन और कानून व्यवस्था – किस स्तर तक प्रशासन ने समय रहते हस्तक्षेप किया? और घटनाओं के बाद न्याय कैसे सुनिश्चित होगा?

बांदा भाजपा के वरिष्ठ नेता आनंद स्वरूप के निधन पर शोक

» बीजेपी के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि राजनीतिक और सामाजिक जगत में क्षति

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बांदा भाजपा के वरिष्ठ नेता और लंबे समय तक जिला मीडिया प्रभारी का दायित्व कुशलतापूर्वक निभा रहे आनंद स्वरूप का निधन हो गया। इस दु:खद समाचार से भाजपा कार्यकर्ताओं और राजनीतिक लोगों में गहरा शोक व्याप्त है।

भाजपा के कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्रीय नेता प्रकाश पाल ने इस अवसर पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि श्री आनंद स्वरूप जी का जीवन संगठन के प्रति समर्पण और कार्यकर्ताओं के

प्रति आत्मीयता का प्रतीक रहा। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सिद्धांतों और नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

श्री पाल ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार को यह दु:ख सहन करने की शक्ति देने की कामना की। उन्होंने कहा कि उनका जाना संगठन के लिए अपूरणीय क्षति है।

भाजपा कार्यकर्ता और उनके शुभचिंतक सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

आईटीआई में समस्याओं को लेकर प्रमुख सचिव से मिला फेडरेशन

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ/कानपुर।उ0 प्र0 फेडरेशन ऑफ़ मिनिस्टीरियल सर्विस एसोसिएशन्स का एक प्रतिनिधिमंडल प्रमुख सचिव, व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास तथा उद्यमशीलता विभाग से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने आईटीआई संस्थानों में कार्यरत वरिष्ठ सहायक एवं प्रधान सहायक (लिपिक संवर्ग) की पोस्टिंग सम्बन्धी समस्याओं, लिपिकों की वरिष्ठता सूची एक करने तथा आईटीआई अनुदेशकों की समस्याओं को विस्तार से रखा।

प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष अजय कुमार द्विवेदी

ने बताया कि हाल ही में हुई पदोन्नति के बाद कई कर्मचारियों की पोस्टिंग बिना विकल्प लिए 200-300 किलोमीटर दूर कर दी गई है। इससे उन्हें गंभीर पारिवारिक और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। फेडरेशन ने कहा कि पूर्व परंपरा के अनुसार कर्मचारियों से विकल्प लेकर ही पोस्टिंग की जाती रही है, लेकिन इस बार बिना विकल्प के की गई तैनाती से असंतोष की

» आईटीआई संस्थानों में कार्यरत वरिष्ठ सहायक एवं प्रधान सहायक (लिपिक संवर्ग) की पोस्टिंग सम्बन्धी समस्याओं सहित अन्य मांगों पर दिया पत्र

स्थिति उत्पन्न हो गई है।इसी के साथ आईटीआई अनुदेशकों की भी विभिन्न समस्याओं को सामने रखते हुए शीघ्र समाधान की मांग की गई।

प्रमुख सचिव ने फेडरेशन की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि सभी मुद्दों की समीक्षा कर न्यायोचित और मानवीय दृष्टिकोण से निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों और अनुदेशकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया।

प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष अजय कुमार द्विवेदी, प्रदेश महामंत्री कनौजिया विनोद बुद्धिराम, आईटीआई कर्मचारी संघ कानपुर के महामंत्री रीतेश शुक्ला, रिजवान अहमद सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व विधायक गोरखनाथ के निशाने पर भाजपा के वटवृक्ष पूर्व सांसद लल्लू सिंह

» समीर शाही/स्वराज इंडिया

अयोध्या। भाजपा की राजनीति में जहां अनुशासन और 'तमगाधारी छवि' को सबसे बड़ा आभूषण माना जाता है, वहीं रामनगरी की सियासत में अब यह छवि दरकने लगी है। मिल्कीपुर के पूर्व विधायक गोरखनाथ ने पार्टी लाइन से बाहर जाकर खुलेआम बगावती सुर छेड़े हैं। उनके तीर सीधे भाजपा के वयोवृद्ध नेता और पूर्व सांसद लल्लू सिंह पर छोड़े गए हैं।

सूत्रों की माने तो राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि गोरखनाथ भाजपा में अपने लिए भविष्य की जमीन नहीं देख पा रहे। लिहाज़ा वे अब सपा नेता शिवपाल सिंह यादव के संपर्क में हैं। सूत्र बताते हैं कि फ्रसपाई चाचा के दरबार में ही उनके राजनीतिक पुनर्जन्म का रास्ता छिपा है।

वायरल पॉडकास्ट से मची खलबली

एक हालिया पॉडकास्ट में गोरखनाथ ने न केवल भाजपा के दो बाहुबलियों को जातीय नेता कहा, बल्कि पूर्व सांसद लल्लू सिंह पर भी बेबुनियाद आरोप जड़ दिए। उनके निशाने पर गोशाईंगंज के विधायक अभय सिंह और भाजपा के पूर्व विधायक खब्बू तिवारी भी रहे। जिन्हें वह जातीय नेता बताते है। गोरखनाथ का दावा है कि ये दोनों नेता किसी भी सीट पर अपनी जाति के 20-25 हज़ार वोट इधर-उधर कर सकते हैं।राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि गोरखनाथ की बगावत की असली जड़ मिल्कीपुर विधानसभा में टिकट न मिलना है। 2022 चुनाव में ही उन्होंने बगावती तेवर दिखाए थे, लेकिन सत्ता की ताक़त के आगे चुप्पी साध ली। उन्हें उम्मीद थी कि खब्बू तिवारी उनके क्षेत्र में प्रचार से दूर रहकर दोस्ती निभाएंगे, पर हुआ उल्टा। अभय सिंह के भाजपा से सपा और फिर सपा से भाजपा जाने की सियासी कश्मकश में गोरखनाथ ने समीकरण साधने की कोशिश की, मगर समीकरण उलझ गए।

» रामनगरी में 'बगावत का अलाप'-अनुशासन के नारियल में दरार

» सपाई चाचा संग तलाश रहे नई राह?

लल्लू सिंह पूर्व सांसद बीजेपी

बाबा गोरखनाथ पूर्व विधायक मिल्कीपुर

पूर्व सांसद लल्लू सिंह पर सीधा वार

गोरखनाथ ने लल्लू सिंह पर आरोप लगाया कि वे अपने ही बूथ पर हार गए। जबकि तथ्य यह है कि भाजपा को हार पूर्व विधायक के बूथ पर झेलनी पड़ी।

चुनाव के बाद लल्लू सिंह पर यह आरोप भी लगा कि संविधान बदलने वाले बयान से दलित मतदाता खफा हुए। मगर सवाल यही है कि अगर यही कारण था, तो फिर भाजपा पूरे उत्तर प्रदेश में क्यों हारी? स्थानीय भाजपा नेता इस बगावत पर आन द रिकॉर्ड खामोश हैं, पर ऑफ द रिकॉर्ड गोरखनाथ के सुर को बेसुरा बताते हैं। वहीं सपा खेमे में उत्सुकता है कि क्या गोरखनाथ सचमुच भाजपा से नाता तोड़कर सपाई रंग में रंगेंगे?

स्वराज इंडिया के सवाल

-क्या गोरखनाथ की बगावत सिर्फ टिकट की कसक है या भाजपा के अंदर दबे-छुपे असंतोष की गूंज?

-क्या शिवपाल यादव संग समीकरण साधकर गोरखनाथ वाकई भविष्य की राजनीति में नई जमीन तलाश पाएंगे?-और सबसे बड़ा सवाल - अयोध्या की सियासत में भाजपा की अनुशासित छवि अब बगावत के सुरों से दरकने लगी है क्या ?बता दे कि यह घटनाक्रम राममंदिर की छाया में चल रही अयोध्या की असली राजनीतिक हलचल को सामने लाती है जहां अनुशासन की चादर के नीचे टिकट की लड़ाई, जातीय गणित और निजी महत्वाकांक्षाएं खदबदा रही हैं।

महिलाओं को जबरन पुलिस जीप में बैठाने का वीडियो वायरल

» सड़क हादसा बना विवाद की जड़

» बिना महिला पुलिस की मौजूदगी में महिलाओं के साथ धक्का मुक्की का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी एक बार फिर सुर्खियों में है। पिपरी जलालपुर तिराहे पर बीती रात हुए सड़क हादसे के बाद हालात अचानक इस कदर बिगड़े कि पुलिस की भूमिका पर ही सवाल उठ खड़े हुए। अब 46 सेकंड का एक वायरल वीडियो पूरे जिले की कानून-व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा कर रहा है।

बता दें कि बीती रात करीब 3 बजे एक ट्रेलर ट्रक ने पिकअप को टक्कर मार दी। हादसे में पिकअप सीधा एक चाय-पानी की दुकान में जा घुसा और ट्रेलर ट्रक ने पास की पान की गुमटी भी तोड़ डाली। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। सुबह तक मामला शांत ही दिख रहा था, लेकिन

पुलिस का बयान-पुलिस क्षेत्राधिकारी पीयूष पाल ने कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई की गई, लेकिन वीडियो में दिखती पुलिसिया सख्ती पर जनता भड़क उठी है। सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर कानून का पाठ पढ़ाने वाले ही कानून तोड़ें तो न्याय कौन देगा?

स्वराज इंडिया के सवाल--क्या पुलिस का यह रवैया जनता में डर और गुस्सा फैलाने वाला नहीं है?

-क्या बिना महिला कांस्टेबल के महिलाओं को धक्का-मुक्की कर गाड़ी में बैठाना पुलिसिया मनमानी का खुला प्रमाण नहीं?

घटनास्थल पर पहुंचे एक स्वयंभू पीडब्ल्यूडी कर्मचारी ने विवाद को जन्म दे दिया। स्थानीय दुकानदार संतराम और सर्वादीन निषाद के परिवार पर उक्त व्यक्ति ने गाली-गलौज और धमकी बरसाई। आरोप है कि महिलाओं तक को अपशब्द कहे गए। लोगों का गुस्सा बढ़ता देख उसे किसी तरह हटाया गया, लेकिन उसने पलटवार में बीकापुर कोतवाली में शिकायत दर्ज करा दी कि भीड़ ने उसे पीटा। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और संतराम-सर्वादीन परिवार की महिलाओं और लड़कियों तक को धक्का-मुक्की कर जबरन गाड़ी में बैठाने लगी। वायरल वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि वहां कोई महिला कांस्टेबल मौजूद नहीं थी। यह पुलिस मैनुअल के नियमों का सीधा उल्लंघन है, जिसमें महिला को हिरासत में लेने के लिए महिला पुलिसकर्मी की मौजूदगी अनिवार्य है।

विकास प्राधिकरण का टूटा धनुष-चौराहा बना बदहाली का सेल्फी प्वाइंट

» फोटो खिंचवाकर भूल गया प्राधिकरण, अब उदया चौराहा बना तमाशा

» उदया चौराहा जल्द बनेगा और बेहतर सेल्फी पॉइंट-सचिव एडीए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राममंदिर उद्घाटन के बाद विकास प्राधिकरण पर विकास का ऐसा भूत सवार हुआ कि फव्वारे, लाइटें, ओपन जिम, पाथवे और सेल्फी प्वाइंट की झड़ी लगा दी गई। लेकिन अब सवाल यह है कि क्या इन सबका निर्माण सिर्फ़ उद्घाटन फोटो सेशन और नेताओं की प्रेस कॉन्फ्रेंस की सजावट के लिए हुआ था?

रामपथ पर उदया चौराहा का धनुष सेल्फी प्वाइंट अब टूटे धनुष की तरह पड़ा है। फव्वारे सूखे कुएँ जैसे खड़े हैं, लाइटें बुझ चुकी हैं और पार्कों की हरियाली गाय-भैंसों के चारे में तब्दील हो रही है। मॉर्निंग वॉक वालों के लिए पाथवे अब ठोकर खाने की पगडंडियाँ बन गई हैं। ओपन जिम का हाल ऐसा है कि जंग खाई मशीनों पर अब शायद भूत-प्रेत ही कसरत कर सकते हैं।

जब विकास प्राधिकरण के सचिव हेम सिंह से पूछा गया कि आखिर जनता के पैसे से बने ये विकास कार्य क्यों बर्बाद हो रहे हैं। तो उन्होंने कहा कि अगर प्राधिकरण ने बनवाया रहा होगा तो हम अभी प्रोजेक्ट वालो से पूछते है फिर जल्द ही उसे और भी सुंदर बनाया जाएगा।

रामनगरी के नागरिक पूछ रहे हैं भव्य मंदिर तो देश का गौरव है, लेकिन क्या उसके नाम पर अयोध्या के पार्कों और सार्वजनिक स्थलों का मर्डर करना जरूरी था? विकास के नाम पर फोटो खिंचवाने वाले अफसर-नेता अब बदहाली की इन तस्वीरों से कब तक चेहरा बचाएंगे?

रिआया की न जिसमे फिक्र हो जिल्ले इलाही को।
मिटा देती है कुदरत हर एक ऐसी बादशाही को।
जो मुजरिम है वही इंसाफ की कुर्सी पर बैठे है।
कहाँ साबित करें हम जाकर अपनी बेगुनाही को।।
कलम के कांटे से...

बीएसएनएल सेवाओं को प्रदेश के ग्राम पंचायतों के साथ जोड़ा

स्वदेशी तकनीक पर आधारित भारत नेट परियोजना का ऑनलाइन उद्घाटन

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार ने भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की सेवाओं को उत्तर प्रदेश के हर ग्राम पंचायत के साथ जोड़ दिया है। योगी शनिवार को स्वदेशी तकनीक पर आधारित बीएसएनएल 4जी नेटवर्क और भारत नेट परियोजना के ऑनलाइन उद्घाटन के अवसर पर लखनऊ में कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उड़ीसा में एक विशेष कार्यक्रम के तहत स्वदेशी बीएसएनएल 4जी नेटवर्क का उद्घाटन किया, जिसमें देश भर से सभी मुख्यमंत्री और संबंधित विभाग के मंत्री और अधिकारी ऑनलाइन मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत नेट के स्वदेशी 4जी इंफ्रास्ट्रक्चर डिजिटल क्रांति को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। उन्होंने पीएम मोदी और बीएसएनएल परिवार को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। योगी ने बताया कि 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने हर ग्राम पंचायत को ऑप्टिकल फाइबर और नेटवर्किंग से जोड़ने का संकल्प लिया था, जो भारत नेट ने साकार किया।

अब ग्राम सचिवालयों में आय, निवास, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे रोजगार सृजन और बैंकिंग सेवाएं ग्रामीण स्तर पर पहुंची हैं। बीसी सखियों के जरिए 100 करोड़ से अधिक का लाभांश ग्रामीणों तक पहुंचा है। बीएसएनएल के 4जी नेटवर्क को दूर-दराज के क्षेत्रों, खासकर नक्सल प्रभावित चंदौली, सोनभद्र और चित्रकूट में क्रांति लाने वाला है। आने वाले समय में 5जी और 6जी की भी तैयारी है।

उन्होंने कहा कि संप्रभु राष्ट्र के लिए स्वदेशी सेना, स्वतंत्र विदेश नीति, स्वदेशी तकनीक और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण जरूरी है, जो नए भारत में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत की सेना को विश्व की शक्तिशाली सेनाओं में शामिल है। यहां का आकाश, ब्रह्मोस मिसाइल, ड्रोन, रोबोटिक्स में हासिल की गई उपलब्धियां विकसित भारत की पहचान बनी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत मैत्री भाव से विश्व के साथ चलेगा, लेकिन किसी के दबाव में नहीं झुकेगा। पीएम मोदी के नेतृत्व में यह संदेश हर मंच से दिया गया है। योगी ने बीते दौर की कठिनाइयों का जिक्र करते हुए कहा कि पहले पेंशन के लिए लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिसमें आधा पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था।

अब डीबीटी के जरिए 1 करोड़ निराश्रित महिलाओं, वृद्धों और दिव्यांगों को सालाना 12,000 रुपये की पेंशन सीधे खाते में मिलती है। 60 लाख से अधिक अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी छात्रों को 6,000 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप डिजिटल रूप से दी जा रही है।

यूपीआई के जरिए भारत ने सबसे अधिक डिजिटल पेमेंट का रिकॉर्ड बनाया है, जो भ्रष्टाचार पर लगाम और डिजिटल क्रांति का प्रमाण है। उन्होने कहा कि 2017 से पहले नेटवर्किंग में माफिया के हावी थे। 2017 के बाद ऐसे माफियाओं की कमर तोड़ी गई और सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की गई। बीएसएनएल का 4जी नेटवर्क ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई तकनीक और गति देगा।

उन्होंने आत्मनिर्भरता को हर क्षेत्र में जरूरी बताते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों और नगर निकायों की आत्मनिर्भरता ही विकसित भारत की नींव होगी। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, बृजलाल, संजय सेठ, महापौर सुषमा खर्कवाल समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे।

इलाहाबाद हाइकोर्ट को मिले 24 नए न्यायाधीश

109 हुई जजों की संख्या, अब तेजी से होगी सुनवाई

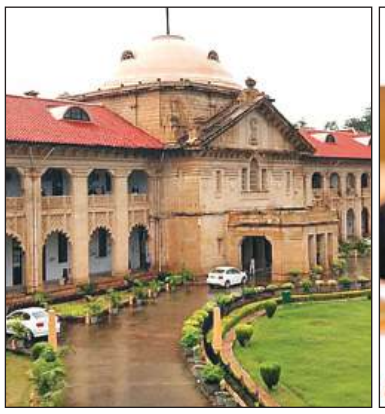

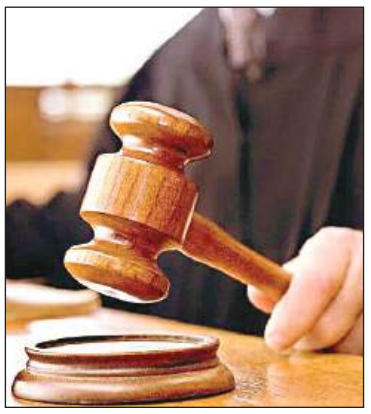

» जज बनने वाले सुप्रीम कोर्ट के भी वकील।

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायिक प्रक्रिया और केसों की सुनवाई तेज होगी। केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट में 24 नए जजों की नियुक्ति कर दी है। शुक्रवार को केंद्रीय कानून मंत्रालय ने सभी 24 जजों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश के अलावा कुल जजों की कुल संख्या 160 निर्धारित है। 24 नए जजों की नियुक्ति के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट में अब 109 न्यायाधीश हो गए हैं। इनमें तीन स्थानांतरण के अधीन हैं। और एक न्यायधीश को फिलहाल न्यायिक कार्य से परे रखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्त के लिए 26 नामों की सिफारिश की थी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया की अध्यक्षता वाले कोलेजियम की ओर से केंद्र सरकार को भेजे गए 26 नामों में 12 वकील और 14 ज्यूडिशियल अफसरों के नाम शामिल थे। केंद्र सरकार ने उनमें से 10 अधिवक्ताओं और 14 न्यायिक अधिकारियों की हाईकोर्ट जज के पद पर नियुक्ति की है।

जज बनने वाले वकीलों में हाईकोर्ट के अलावा सुप्रीम कोर्ट में वकालत करने वाले भी हैं। जिन अधिवक्ताओं की बतौर जज नियुक्ति की गई है उनमें विवेक सरन, विवेक कुमार सिंह, गरिमा प्रसाद, सुधांशु चौहान, अबधेश कुमार चौधरी, स्वरूपमा चतुर्वेदी, सिद्धार्थ नंदन, मुख्य स्थायी अधिवक्ता कुणाल रवि सिंह, इंद्रजीत शुक्ल व सत्यवीर सिंह शामिल हैं।

ये नाम भी शामिल

इसी प्रकार जिला जज स्तर के जिन 14 एचजेएस न्यायिक अधिकारियों को जज बनाया गया है उनमें डॉ अजय कुमार द्वितीय, चवन प्रकाश, दिवेश चंद्र सामंत, प्रशांत मिश्र प्रथम, तरुण सक्सेना, रजिस्ट्रार जनरल राजीव भारती, पदम नारायण मिश्र, लक्ष्मीकांत शुक्ल, जय प्रकाश तिवारी, देवेंद्र सिंह प्रथम, संजीव कुमार, वाणी रंजन अग्रवाल, अचल सचदेव एवं बबीता रानी शामिल हैं।

सीएम ने जताया शोक, अंतिम संस्कार में होगे शामिल

एमपी शिक्षा परिषद अध्यक्ष व पूर्व कुलपति प्रो यूपी सिंह का निधन

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गोरखपुर। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह (यूपी सिंह) का शनिवार सुबह निधन हो गया। 92 वर्षीय प्रो. सिंह पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे। अध्यापन कार्य में आने के बाद से ही उनका पूरा जीवन गोरक्षपीठ और महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को समर्पित रहा। प्रो. सिंह अपने पीछे दो पुत्रों दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. वीके सिंह और यूपी कॉलेज के आचार्य प्रो. राजीव कृष्ण सिंह का परिवार छोड़ गए हैं।

मूल रूप से गाजीपुर जिले के निवासी प्रो. यूपी सिंह उन विरले लोगों में शामिल रहे जिन्हें गोरक्षपीठ के लगातार तीन पीठाधीश्वरों के सानिध्य में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। गणित विषय के विद्वान रहे स्वर्गीय सिंह की बतौर शिक्षक पहली नियुक्ति गोरक्षपीठ के तत्कालीन पीठाधीश्वर महंत दिग्विजयनाथ ने एमपी शिक्षा परिषद के महाराणा प्रताप महाविद्यालय में की थी।

गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए तत्कालीन पीठाधीश्वर ने यह महाविद्यालय दान में दे दिया तब यूपी सिंह विश्वविद्यालय में गणित के शिक्षक हो गए। अपने शैक्षिक सेवा यात्रा में उन्होंने बाद में पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के कुलपति के रूप में भी सेवाएं दीं। महंत दिग्विजयनाथ के स्मृतिशेष होने के बाद प्रो. यूपी सिंह ने गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ के मार्गदर्शन में एमपी शिक्षा परिषद की सेवा की। उनकी सेवा साधना का यह अनुष्ठान वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सानिध्य में आजीवन जारी रहा।

रविवार को होगा अंतिम संस्कार

प्रो. सिंह का अंतिम संस्कार रविवार को पावन रापती नदी के राजघाट पर दिन में 12 बजे से होगा। इस अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी प्रो सिंह को अंतिम विदाई देने के लिए उपस्थित रहेंगे।

बरेली के बाद बाराबंकी और मऊ में भी तनाव, पुलिस का कड़ा पहरा

आई लव मोहम्मद मामला: पुलिस मौके पर, कुछ लोगों को हिरासत में लिया

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ/बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बरेली में 'आई लव मोहम्मद' अभियान को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद बाराबंकी और मऊ जिलों में भी तनाव बढ़ गया है, पुलिस ने सख्त रवैया अपनाते हुए भारी सुरक्षा बल तैनात कर दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को दावा किया कि स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है।

पुलिस के अनुसार बरेली में 500 से अधिक लोगों को वीडियो और सीसीटीवी फुटेज में देखा गया है, जिनकी पहचान की जा रही है। इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा भी हिरासत में हैं। एक अधिकारी ने बताया कि बरेली में हालात अब काबू में हैं, लेकिन दोबारा कोई उपद्रव न हो, इसके लिए 15 जिलों से पुलिस बल, 'प्रादेशिक आर्म्ड कांस्टेबुलरी' (पीएसी) और अर्धसैनिक बल की कंपनियां तैनात कर दी गई हैं। लगभग 8000 से अधिक जवान पूरे शहर में तैनात हैं। हर गली, चौराहे और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी है। बरेली जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) रमित शर्मा ने मुरादाबाद, रामपुर, बिजनौर, अमरोहा, संभल, शाहजहांपुर, बदायूं, पीलीभीत समेत सभी जिलों के पुलिस प्रमुखों को तत्काल बल भेजने और एसएसपी बरेली को संपर्क करने के निर्देश दिए हैं। अगले आदेश तक सभी जिलों का बल बरेली में ही तैनात रहेगा।

राज्य की राजधानी लखनऊ से सटे बाराबंकी जिले के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के फैजुल्लागंज गांव में शुक्रवार रात ''आई लव मोहम्मद'' लिखा बैनर तोड़े जाने पर तनाव फैल गया। घटना के बाद इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

एक पक्ष ने आरोप लगाया कि शुक्रवार रात एक स्थानीय चौकीदार धन्नी ने डंडे से रस्सी तोड़कर बैनर नीचे गिरा दिया। इसके बाद एक समुदाय के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और नाराजगी जताई। दूसरे पक्ष के लोग भी जुटने लगे, जिससे गांव का माहौल तनावपूर्ण हो गया। इसी दौरान धन्नी के घर पर कुछ युवकों द्वारा तोड़फोड़ किए जाने की भी बात सामने आई। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई।

अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी सहित कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। हालात पर काबू पाने के लिए दोनों पक्षों से कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया।